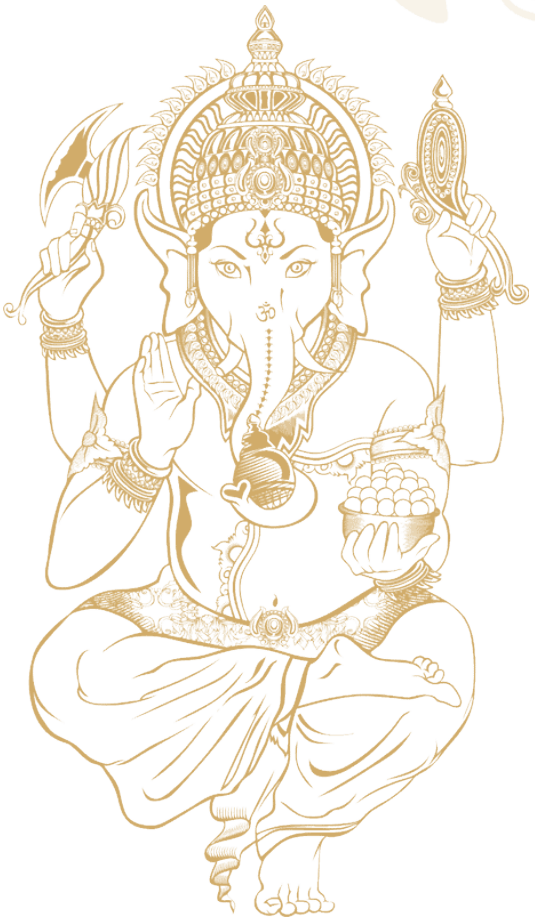

Sanvi

24 Sep 1917

08:27 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121737503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/09/1917**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:27:00 घंटे**
इष्ट	05:39:45 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:04:56 घंटे
वेलान्तर	00:07:44 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:25 घंटे
सूर्योदय	06:11:06 घंटे
सूर्यास्त	18:17:06 घंटे
दिनमान	12:06:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:46:30 कन्या
लग्न के अंश	06:28:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:28:33	309:57:49	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	07:46:30	00:58:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	सम राशि
चंद्र			धनु	06:21:20	13:25:08	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			कर्क	14:28:42	00:36:32	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध	व	अ	सिंह	28:06:23	00:38:21	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			वृष	18:44:09	00:01:18	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	16:17:35	01:11:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	18:25:18	00:05:56	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		धनु	13:54:46	00:00:03	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	13:54:46	00:00:03	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		मक	27:36:14	00:01:38	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			कर्क	13:47:49	00:01:28	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	---
प्लूटो			मिथु	12:47:20	00:00:17	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	08:39:33	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 22:42:46

लग्न-चलित

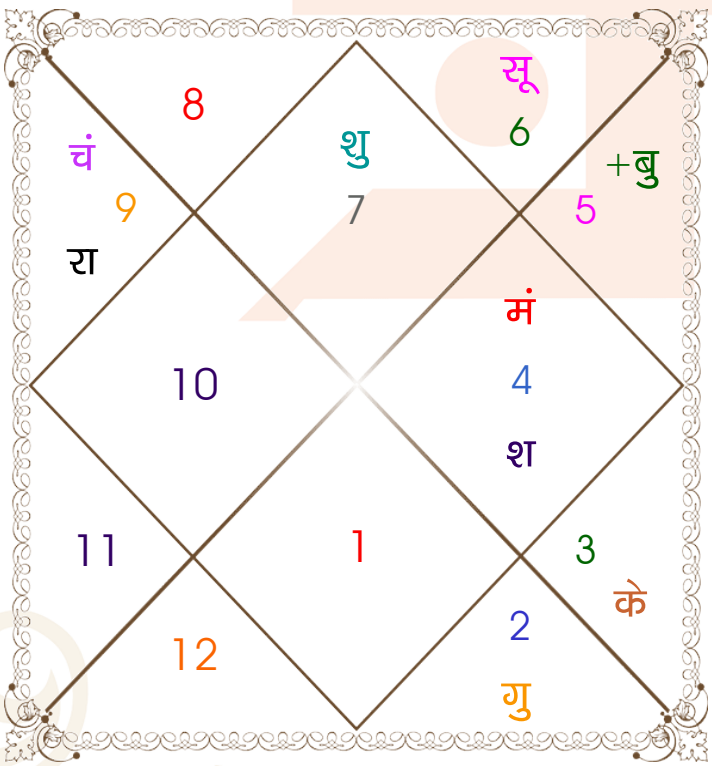

चन्द्र कुंडली

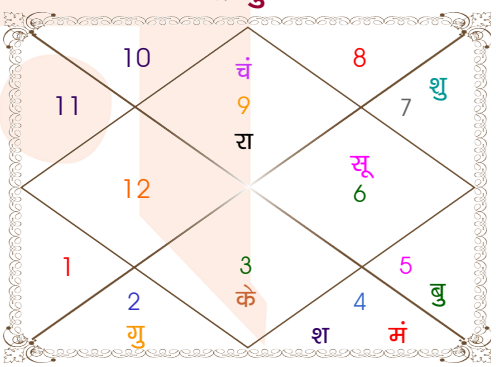

नवमांश कुंडली

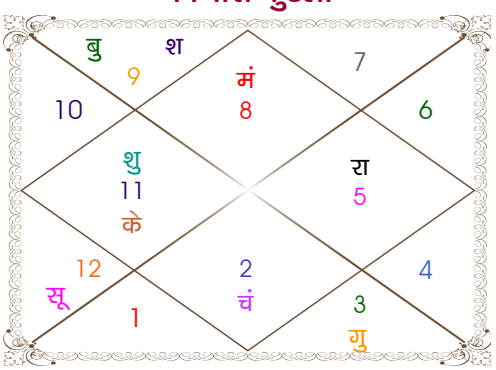

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 7 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/09/1917		24/05/1921		24/05/1941		24/05/1947		24/05/1957	
24/05/1921		24/05/1941		24/05/1947		24/05/1957		24/05/1964	
	00/00/0000	शुक्र	22/09/1924	सूर्य	10/09/1941	चंद्र	24/03/1948	मंगल	20/10/1957
	00/00/0000	सूर्य	23/09/1925	चंद्र	12/03/1942	मंगल	23/10/1948	राहु	08/11/1958
	00/00/0000	चंद्र	24/05/1927	मंगल	18/07/1942	राहु	24/04/1950	गुरु	14/10/1959
	00/00/0000	मंगल	23/07/1928	राहु	12/06/1943	गुरु	24/08/1951	शनि	22/11/1960
	24/09/1917	राहु	24/07/1931	गुरु	30/03/1944	शनि	24/03/1953	बुध	19/11/1961
राहु	12/05/1918	गुरु	24/03/1934	शनि	12/03/1945	बुध	23/08/1954	केतु	18/04/1962
गुरु	18/04/1919	शनि	24/05/1937	बुध	16/01/1946	केतु	24/03/1955	शुक्र	18/06/1963
शनि	27/05/1920	बुध	24/03/1940	केतु	24/05/1946	शुक्र	22/11/1956	सूर्य	24/10/1963
बुध	24/05/1921	केतु	24/05/1941	शुक्र	24/05/1947	सूर्य	24/05/1957	चंद्र	24/05/1964

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/05/1964		24/05/1982		24/05/1998		24/05/2017		24/05/2034	
24/05/1982		24/05/1998		24/05/2017		24/05/2034		00/00/0000	
राहु	04/02/1967	गुरु	11/07/1984	शनि	27/05/2001	बुध	21/10/2019	केतु	20/10/2034
गुरु	29/06/1969	शनि	23/01/1987	बुध	04/02/2004	केतु	17/10/2020	शुक्र	20/12/2035
शनि	05/05/1972	बुध	30/04/1989	केतु	15/03/2005	शुक्र	18/08/2023	सूर्य	26/04/2036
बुध	23/11/1974	केतु	05/04/1990	शुक्र	14/05/2008	सूर्य	23/06/2024	चंद्र	25/11/2036
केतु	11/12/1975	शुक्र	04/12/1992	सूर्य	26/04/2009	चंद्र	22/11/2025	मंगल	23/04/2037
शुक्र	11/12/1978	सूर्य	23/09/1993	चंद्र	26/11/2010	मंगल	20/11/2026	राहु	24/09/2037
सूर्य	05/11/1979	चंद्र	23/01/1995	मंगल	05/01/2012	राहु	08/06/2029		00/00/0000
चंद्र	06/05/1981	मंगल	30/12/1995	राहु	11/11/2014	गुरु	14/09/2031		00/00/0000
मंगल	24/05/1982	राहु	24/05/1998	गुरु	24/05/2017	शनि	24/05/2034		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।